International Journal For Technological Research In Engineering
Volume 10, Issue 6, February-2023 *ISSN (Online): 2347 - 4718*

किशोरावस्था के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष, शैक्षिक तनाव एवं शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन

मकसूद आलम, शोधछात्र, लॉर्ड्स विश्वविद्यालय, चिकानी, अलवर।
डॉ. निर्मला राठौर, प्रोफेसर, लॉर्ड्स विश्वविद्यालय, चिकानी, अलवर।

प्रस्तावना

मानव जीवन में शिक्षा का महत्वपूर्ण स्थान है। शिक्षा–प्रक्रिया के तीन महत्वपूर्ण अंग हैं– शिक्षक, शिक्षार्थी एवं पाठ्यक्रम। समाज द्वारा शिक्षा प्रदान करने का दायित्व समाज के कुछ विशिष्ट व्यक्तियों को दिया गया जिन्हें शिक्षक कहा जाने लगा। शिक्षा ग्रहण करने वाले व्यक्ति को शिक्षार्थी अथवा छात्र कहा गया है। विद्यार्थी सुयोग्य शिक्षकों के मार्ग दर्शन में ही अपने श्रेष्ठतम् विकास को प्राप्त करता है। शिक्षार्थी बहुत कुछ शिक्षकों के व्यवहारों एवं आदर्शों के अनुकरण द्वारा भी सीखते हैं। इस प्रकार देश और काल के अनुरूप बालकों को शिक्षा प्रदान कर शिक्षक उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे भविष्य में राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अपनी भूमिका का उचित निर्वाह कर सकें। इस प्रकार विद्यार्थी राष्ट्र के भविष्य का निर्माणकर्ता एवं आधार स्तम्भ होता है। यदि शिक्षक द्वारा छात्र की वैयक्तिक भिन्नताओं को ठीक से न समझा गया तो शिक्षक द्वारा दी गयी शिक्षा से छात्र के आन्तरिक व बाह्य शक्तियों का पूर्णरूप से विकास कदापि सम्भव नहीं हो सकेगा।

IJTRE Since 2013

समस्या का औचित्य :

वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में गम्भीर समस्याएँ देखने को मिलती है। शिक्षा प्रशासन मूलभूत शैक्षिक समस्याओं से अनभिज्ञ है तथा प्रबन्ध समितियाँ शिक्षा की ओर से पूर्णतया विमुख है। शिक्षकगण अपने शैक्षिक कर्त्तव्यों के पालन में रूचि नहीं लेते। विद्यार्थी अनुशासनहीन एवं संस्कारहीन हो गये हैं। उनका एकमात्र उद्देश्य इस तनाव युक्त मस्तिष्क से येन–केन प्रकारेण परीक्षा उतीर्ण करना हो गया है। आजकल अधिकांश विद्यार्थी भौतिक सुख–सुविधाओं एवं दृश्य–श्रव्य यन्त्रों के माध्यम से शिक्षण करना चाहते हैं इन यन्त्रों के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करना सरल हो गया है। जिससे छात्र का व्यावहारिक ज्ञान जाता रहा जिससे विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा, द्वेष, ईर्ष्या आदि अवगुणों का आविर्भाव हुआ जिससे छात्र तनाव युक्त हो गये तथा अपने कैरियर के प्रति भी संघर्षमय दिखाई पड़ते है। तनाव का कारण है कि आज के दौर में और विगत दशक पहले के समय में बहुत अन्तर आ गया है। वर्तमान में शिक्षित नव युवकों की एक लम्बी कतार अनेक पाठ्यक्रमों को करने के लिए अति प्रतिस्पर्द्धा की दोड़ में है। इसको

 Copyright 2023.All rights reserved.

देखते हुए विद्यार्थियों पर मानसिक दबाव में वृद्धि हुई है। जिससे तनावग्रस्त छात्र असफलताओं में घिरा रहता है। इस तनाव से छुटकारा पाने के लिए स्वाध्याय एवं मनोवैज्ञानिक और वैज्ञानिक विधियाँ के द्वारा शिक्षण को सरल सुबोध तथा कौशलात्मक विकास की आवश्यकता है।

वर्तमान समय में तनाव युक्त विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्द्धा की दौड़ में शैक्षिक उपलब्धियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। तनावशील युवकों में इस प्रतिस्पर्द्धा के दौर में सभी को शैक्षिक उपलब्धि को बढ़ाना सरल सहज और आसान नहीं रहा है।

आये दिन देखने को मिलता है कि माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, केन्द्रीय शिक्षा बोर्ड आदि के परीक्षा परिणाम आने पर बहुत से विद्यार्थी निराश हो जाते हैं और वह तनाव में आने के कारण आत्महत्या तक कर लेते हैं।

अतः शोध अध्ययन द्वारा किशोरावस्था के विद्यार्थियों में होने वाले तनाव व कैरियर के प्रति संघर्ष के कारणों व उनका समाधान के उपाय ढूढने में एवं किशोरों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करने में यह शोध महत्वपूर्ण सिद्ध हो सकता हैं तथा इसके द्वारा तनावग्रस्त व समस्याग्रस्त विद्यार्थियों का प्रतिशत भी ज्ञात हो सकेगा। ऐसे विद्यार्थियों की तुलना सामान्य विद्यार्थियों से करना भी सम्भव हो सकेगा जो तनावग्रस्त व समस्याग्रस्त है। निश्चित रूप से इस शोधकार्य के निष्कर्षों के आधार पर अभिभावक, शिक्षक एवं शिक्षाविद बालकों की समस्या को जानकर उसके निदान के बारे में भावी योजना बना सकते है।

IJTRE Since 2013

शोध अध्ययन के उद्देश्य :

1. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष का अध्ययन करना।
2. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव का अध्ययन करना।
3. किशोरावस्था के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना

1. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
2. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।
3. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि स्तर में कोई सार्थक अन्तर नहीं होता है।

 Copyright 2023.All rights reserved.

4. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक तनाव में कोई सार्थक सह सम्बन्ध नहीं होता है।
5. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सह सम्बन्ध नहीं होता है।
6. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव और शैक्षिक उपलब्धि में कोई सार्थक सह सम्बन्ध नहीं होता है।

पारिभाषिक शब्दावली

प्रस्तुत अनुसंधान में प्रयुक्त तकनीकी शब्दावली का अर्थापन निम्नानुसार है–

कशोरावस्था :–

प्रस्तुत अध्ययन में किशोरावस्था से तात्पर्य उन विद्यार्थियों से है जिनकी आयु 13 से 18 वर्ष के मध्य है।

विद्यार्थी :–

प्रस्तुत अध्ययन में विद्यार्थी से तात्पर्य उन छात्र–छात्राओं से है जो उच्च माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में नियमित रूप से अध्ययनरत है।

कैरियर संघर्ष :–

कैरियर संघर्ष – प्रस्तुत शोध में अंग्रेजी शब्द Carrer Conflict का अर्थ कैरियर संघर्ष लिया है। जब व्यक्ति को कैरियर के लिए विरोधी विचारो, इच्छाओं, उद्देश्यों आदि का सामना करना पड़ता है तो इससे मस्तिष्क में संघर्ष प्रारंभ हो जाता है, इसे कैरियर संघर्ष कहते हैं।

प्रस्तुत अध्ययन में कैरियर संघर्ष से तात्पर्य किशोर विद्यार्थियों की वृत्ति के प्रति संघर्ष से है।

शैक्षिक तनाव :–

प्रस्तुत अध्ययन में शैक्षिक तनाव से तात्पर्य शैक्षिक व्यवस्था व परिणामों से सम्बन्धित तनाव से है।

शैक्षिक उपलब्धि

शोधकर्ता ने प्रस्तुत शोध कार्य में कक्षा 11 के प्राप्तांक–प्रतिशतांकों को शैक्षिक उपलब्धि हेतु स्वीकार किया है।

IJTRE Since 2013

 Copyright 2023.All rights reserved.

अध्ययन परिसीमन

1. प्रस्तुत अनुसंधान राजस्थान प्रदेश के अलवर जिले तक ही सीमित है।
2. प्रस्तुत अनुसंधान में अलवर जिले के उच्च माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 12 के किशोर बालक–बालिकाओं को सम्मिलित किया गया है।
3. प्रस्तुत अनुसंधान के अन्तर्गत अलवर जिले के उच्च माध्यमिक स्तर के सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 12 के केवल 800 विद्यार्थियों को लिया गया है।

न्यादर्श

न्यादर्श के रूप में सोद्देश असम्भाव्य न्यादर्श विधि का चयन किया गया। जिसमें अलवर जिले सरकारी व गैर सरकारी विद्यालयों के कक्षा 12 के 800 छात्र/छात्राओं का डाटा संगृहण के लिए चयन किया गया है।

शोध विधिः

शोधार्थी द्वारा अपनी समस्या की प्रकृति एवं उद्देश्यों को दृष्टिगत रखते हुए सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया है जिसके अन्तर्गत प्राथमिक आंकड़ों का संग्रहण चयनित न्यादर्श से उपकरणों के माध्यम से किया गया है।

शोध में प्रयुक्त उपकरण

शोधकर्ता ने अपने शोध अध्ययन में शैक्षिक उपलब्धि, समायोजन मापनी, अध्ययन आदतों का परीक्षण लिये है। इस शोध के अन्तर्गत निम्नलिखित परीक्षणों का चयन किया गया है –

1- विद्यार्थियों के कक्षा 11 के वार्षिक परीक्षा प्राप्तांकों के आधार पर ''उपलब्धि परीक्षण''।

2- शैक्षिक तनाव का अध्ययन करने हेतु डॉ. पूर्वा जैन एवं नीलम दीक्षित द्वारा निर्मित 'शैक्षिक तनाव मापनी' का प्रयोग किया गया है।

3- कैरियर संघर्ष का अध्ययन करने हेतु एन.पी.सी. द्वारा प्रकाशित, अनीत कुमार व रेखा द्वारा निर्मित 'कैरियर संघर्ष मापनी' का प्रयोग किया गया है।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी

शोधकर्ता ने अपने शोध अध्ययन में प्राकल्पनाओं को दृष्टिगत रखते हुए प्राप्त प्रदत्तों के विश्लेषण हेतु निम्न सांख्यिकीय प्रतिधियों का प्रयोग किया है।

 Copyright 2023.All rights reserved.

1- मध्यमान

2- प्रमाणिक विचलन

3- टी.–परीक्षण

4- सहसम्बन्ध

दत्त विश्लेषण

सारणी 1

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष स्तर का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अंतर	टी –मान	स्वीकृत/ अस्वीकृत
सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	400	164.80	19.48	27.91	5.89	0.05 स्तर पर अस्वीकृत
गैरसरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	400	192.71	20.14			

df=798 .05 level=1.96.01 level=2.59

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि – सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का कैरियर संघर्ष में सार्थक अन्तर पाया गया। सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का कैरियर संघर्ष उच्च पाया गया।

सारणी 2

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव स्तर का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अंतर	सी. आर. –मान	स्वीकृत/ अस्वीकृत
सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	400	94.95	14.57	5.55	6.57	0.05 स्तर पर स्वीकृत

 Copyright 2023.All rights reserved.

गैरसरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	400	100.49	15.92			

df=798, .05 level=1.96, .01 level=2.59

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि – सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव स्तर में सार्थक अन्तर पाया गया। सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव उच्च पाया गया।

सारणी 3

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का तुलनात्मक विश्लेषण

समूह	विद्यार्थियों की संख्या	मध्यमान	मानक विचलन	मध्यमान का अंतर	सी. आर. –मान	स्वीकृत/ अस्वीकृत
सरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	400	60.93	10.32	11.57	2.75	0.05 स्तर पर अस्वीकृत
गैरसरकारी विद्यालय के विद्यार्थी	400	72.50	8.31			

df=798 .05 level=1.96 .01 level=2.59

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि – सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में सार्थक अन्तर पाया गया। सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि उच्च पायी गयी।

सारणी 4

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक तनाव में सह–सम्बन्ध का विश्लेषण

क्र. सं.	मापित चर	विद्यार्थियों की संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक ;तद्ध	निष्कर्ष **.05** स्तर पर

 Copyright 2023.All rights reserved.

1	कैरियर संघर्ष	800	0.15	अस्वीकृत
2	शैक्षिक तनाव	800		

स्वतन्त्रता के अंश (df) = 798, .05 = 0.062

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि – सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक तनाव मे सार्थक सहसंबध पाया गया।

सारणी 5

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक उपलब्धि में सह–सम्बन्ध का विश्लेषण

क्र. सं.	मापित चर	विद्यार्थियों की संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक ;तद्ध	निष्कर्ष **.05** स्तर पर
1	कैरियर संघर्ष	800	0.23	अस्वीकृत
2	शैक्षिक तनाव	800		

स्वतन्त्रता के अंश (df) = 798, .05 = 0.062

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि – सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक सहसंबध पाया गया।

सारणी 6

सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव और शैक्षिक उपलब्धि में सह–सम्बन्ध का विश्लेषण

क्र. सं.	मापित चर	विद्यार्थियों की संख्या	सह–सम्बन्ध गुणांक ;तद्ध	निष्कर्ष **.05** स्तर पर
1	कैरियर संघर्ष	800	0.16	अस्वीकृत
2	शैक्षिक तनाव	800		

स्वतन्त्रता के अंश (df) = 798, .05 = 0.062

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट होता है कि – सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव और शैक्षिक उपलब्धि मे सार्थक सहसंबध पाया गया।

IJTRE Since 2013

 Copyright 2023.All rights reserved.

शोध में उद्देश्यों के अनुसार विश्लेषण करने पर प्राप्त निष्कर्ष :–

1. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष के निष्कर्ष में सार्थक अन्तर पाया गया। गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का कैरियर के प्रति संघर्ष सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पाया गया। छात्रों का कैरियर के प्रति संघर्ष छात्राओं की तुलना में उच्च पाया गया।

2. किशोरावस्था के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव के निष्कर्ष में सार्थक अन्तर पाया गया। गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पाया गया। छात्रों का शैक्षिक तनाव छात्राओं की तुलना में उच्च पाया गया।

3. किशोरावस्था के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के निष्कर्ष में सार्थक अन्तर पाया गया। गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों की तुलना में उच्च पायी गयी। छात्राओं की शैक्षिक उपलब्धि छात्रों की तुलना में उच्च पायी गयी।

4. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक तनाव के मध्य सार्थक सह संबध पाया गया। जिन विद्यार्थियों का कैरियर संघर्ष उच्च पाया गया उन विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव भी उच्च पाया गया।

सरकारी विद्यालय के छात्रों कैरियर संघर्ष और शैक्षिक तनाव के मध्य सार्थक सह संबध पाया गया।

5- सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के शैक्षिक तनाव और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह संबध पाया गया। जिन विद्यार्थियों का शैक्षिक तनाव उच्च पाया गया उन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च पायी गयी।

6. सरकारी व गैर सरकारी विद्यालय के विद्यार्थियों के कैरियर संघर्ष और शैक्षिक उपलब्धि के मध्य सार्थक सह संबध पाया गया। जिन विद्यार्थियों का कैरियर संघर्ष उच्च पाया गया उन विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि भी उच्च पायी गयी।

 Copyright 2023.All rights reserved.

संदर्भ (References)

1. अरोडा, रीता एवं मारवाह, सुदेश, (2007). शिक्षा मनोविज्ञान एवं सांख्यिकी, चौड़ा रास्ता, जयपुर, शिक्षा प्रकाशन।
2. अस्थाना, रामनारायण व अस्थाना (1990). मनोविज्ञान और शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, आगरा, विनोद पुस्तक मन्दिर।
3. अहलूवालिया, आर.पी. (1968). शिक्षा मनोविज्ञान, कानपुर, मीनाक्षी प्रकाशन।
4. उपाध्याय राधाबल्लभ (2017–18) निर्देशन एवं परामर्श, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा।
5. कपिल, एच.के. (2015) अनुसंधान विधियाँ, एच.पी.भार्गव बुक हाऊस, आगरा।
6. चौबे, सरयू प्रसाद (2005). शिक्षा मनोविज्ञान. मेरठः इण्टरनेशनल पब्लिकेशन हाऊस।
7. जरारे, विजय (1995) : शोध प्रणाली, ए.बी.डी. पब्लिशर्स, इमली वाला फाटक, जयपुर।
8. ढौड़ियाल, सच्चिदानन्द व पाठक, अरविन्द : शैक्षिक अनुसंधान का विधिशास्त्र, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर।
9. पाठक, पी.डी, (2007) "शिक्षा मनोविज्ञान", विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
10. भटनागर, चांद तथा राय, पारसनाथ,: (1977) "अनुसंधान परिचय", एल.एन. अग्रवाल पब्लिशर्स, आगरा।
11. शर्मा, आर.ए. (2009) शिक्षा अनुसंधान, आर.लाल.बुक डिपो, मेरठ।
12. अग्रवाल, नगेन्द्र एवं अग्रवाल पद्मा : मानवीय परिभाषिक कोष (मनोविज्ञान खण्ड) राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
13. आबिद रिजवी, : मेगा हिन्दी शब्द कोश, मारूति प्रकाशन, 33 हरि नगर, मेरठ।

वैबसाईट

1. www.shodhganga.inflibnet.ac.in

IJTRE Since 2013

 Copyright 2023.All rights reserved.